बच्चों को महान बनाता है संस्कार

आबू रोड। कर्नाटक के महंत स्वामी सदानंद ने अखिल भारतीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में देश भर से आये नौनिहालों को संबोधित करते हुए कहा कि इस संस्था के द्वारा बच्चों में संस्कार बनाया जा रहा है। जीवन भर ये संस्कार हमारे काम में आते हैं। उन्होंने कहा कि आप पढ़ाई से नहीं बल्कि संस्कारों के आधार से ही महान बन सकते हैं। हमारा व्यवहार साधारण होना चाहिए और सोच ऊंची होनी चाहिए।

इससे पूर्व राष्ट्रीय युवा परियोजना, दिल्ली के निदेशक डॉ.एस.एन.सुब्बा राव ने अपने देशभक्ति के गीतों से सज़ी बच्चों में उमंग-उत्साह भर दिया। बाल व्यक्तित्व विकास शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इसके लिए बच्चों को दो ग्रुप में बांटा गया - एक एंजिल ग्रुप और दूसरा डायमण्ड ग्रुप। जिसमें कहानी लेखन, भाषण कला, योगासन, लेखन कला आदि विषयों का सफलता पूर्वक अज़्यास कराया गया। इन स्पर्धाओं में बच्चों ने बहुत ही उमंग-उत्साह से भाग लिया।

इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से आए बच्चों ने अपनी-अपनी कला की प्रस्तुति दी। छोटे-छोटे फूल हैं हम.... गीत के बोल पर डोमीवली मुज़्बई की कुमारी अनुश्री और कुमारी पर्ल द्वारा दी गई प्रस्तुति को काफी सराहा गया। वहीं वड नगर गुजरात की कुमारी खुशी ने आया होली का त्योहार, उड़े रंग की बुहार... पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को आचंभित कर दिया। जयपुर, बस्ती और इंदौर के बच्चों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर एकता की मिसाल कायम की।